Val II, Issue:VIII, Sept 2012

ISSN : 2230-7850

Indian Streams Research Journal

Impact Factor 0.2105

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N. Jagtap

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 2, Issue. 8, Sept 2012
ISSN:-2230-7850

Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

जनसंचार माध्यमों के दृष्टीकोन से मानवाधिकार का महत्व

डॉ . सुधीर भटकर, प्रा . विनोद निताळे, प्रा . गोपी सोरडे

जनसंवाद आणि पत्रकारिता विभाग ,उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ ,जळगाव

गोषवारा ः

भारतीय संविधान में नागरिकों को आर्टिकल **19** ह्यअह् अंतर्गत अभिव्यक्ती स्वतंत्रता का अधिकार दिया हैं |इसी अधिकार के तहत पूरे भारत में संचार माध्यम कार्य करते हैं |जीन में समाचारपत्र टि . व्ही . रेडिओ और अब इंटरनेट भी जुड गया है |भारतीय मिडिया को गौरवपूर्ण इतिहास है |इस मिडिया ने देशवासिओ के प्रती हर वक्त अपने कर्तव्य को कम नही होने दियाँ |ानव अधिकारो को हर वक्त न्युज के माध्यम से संरक्षण देने काकार्य मिडियाने किया हैं |इस कार्य में कही दिक्कते भी आई लेकीन हर बार जनता की वकालत इसी मिडियाने की है |अन्य देशो की तुलना में भारत में मिडिया को बहुत स्वतंत्रता हैं |भारत निर्माण कार्य में मिडिया का योगदान नकारा नही जा सकता हैं |

जनसंचार मध्यम मे कार्यरत पत्रकार संपादक जीन्हे हम मिडियाकर्मी कहते है इनके दृष्टीकोन से मानवाधिकार का विशेष महत्व हैं |मिडियाकर्मीओ को मानवाधिकार मिलने हेतू विशेष प्रयास करना जरूरी हैं |मिडियाकर्मीओ के कार्यपध्दती और वेतन संदर्भ में मालक रवय्या बदलना जरूरी है |जातीय व्यवस्था जो मिडिया मे बसी है उसका भी निर्मूलन होना बहुत जरूरी है |मिडियाकर्मीओ को मानवाधिकार संदर्भ में विशेष रूप से शिक्षित करना भी उतना ही आवश्यक हैं |क्योंकी असल में मानवाधिकार क्या है यही अगर मिडियाकर्मी को पता नही तो अपने और पाठक के प्रती वह कैसे लढाई लढ पाएगें |

खएय्ध्वेरर्द मानवाधिकार पत्रकारिता संचार माध्यम मिडियाकर्मी अभिव्यक्ती स्वातंत्र्य मिडिया .

प्रस्तावना

"किसी भी समाज में विशेषतः प्रजातांत्रिक समाज में संचार माध्यमों की भूमिका अपरिहार्य है |संचार माध्यम व्यवस्था को जागरूक बनाए रखता हैं |ये क्या हो रहा है | तथा क्या होना चाहिएँ |के बिच के अंतर का स्पष्ट करते है |तथा इस अंतर को कम करणे का प्रयास करते हैं |दूसरी और सामाजिर्क व्यवस्था का प्रजातांत्रिक स्वरूप उसे लोर्क कल्याणकारी अपेक्षाओं के प्रति वचनबध्द बनाता हैं |"**1** प्रजातांत्रिक समाज में जनसंचार माध्यमों का महत्व निर्देशित करते हुए मीना माथुरने समाज को जागरूक बनाए रखने का महत्वपूर्ण साधन मिडिया को बताया हैं |भारतीय प्रजातंत्र में मिडिया का स्थान आज भी इसी बात को अधोरेखीत करता है |बहुविध जाती एवं जनजती और धर्मोवाले भारत वर्ष में एकता बनाए एखना कुछ आसान काम नहीं |भारतीय स्वतंत्रता को **63** वर्ष पूर्ण हुए हैं |इन **63** वर्षो में देश ने एकता लाने संबंध पहली सुव्यवस्थित घोषणा **10** दिसम्बर **1948** को सामने आयीं |संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा की गयी यह घोषणा 'मानव अधिकारो की विश्र्व घोषणा कहलाती है |भारत देश **1947** को स्वतंत्र हुआ और **1950** में भारतीय संविधान कार्यान्वीत हुओ |भारत देश **1947** को स्वतंत्र हुआ और **1950** में भारतीय संविधान कार्यान्वित हुओ |भारत ने शुरूवाती दौर में ही अन्य देशो के तुलना में मानवाधिकार का समावेश अपने संविधान में कायदो के रूप में कियाँ |जनसंचार माध्यमों को इन्ही अधिकारों के तहत मुक्त कार्य करणे की अनुमती हैं |अभिव्यक्ती स्वातंत्र्य अधिकार फल स्वरूप आज मिडिया भारत में कार्यरत हैं |संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पारित मानवाधिकार और राष्ट्रिय मानवाधिकार जो भारतवर्ष में लागू है |इन दोनो के अधिकाो का भारतीय संचार माध्यमों को क्या लाभ हुआ ऋ संचार माध्यमों का जनता के प्रति क्या रवय्या है ऋ मानवाधिकारों का महत्व मिडिया के दृष्टीकोन से किस प्रकार है ऋ इस प्रश्न के फलस्वरूप इस शोध पत्रिका का अनुष्ठान किया गया है |

विषय विस्तार एवं उद्दिष्ठ

आंतराष्ट्रीय स्तरपर सन **1948** में संयुक्त राष्ट्रसंघ की साधारण सभा में मानवाधिकारो के संदर्भ में घोषणा की "Every one has the Right to freedom of opinion and expression; this Right includes freedom to hold opinions without interference and to seek, receive and impart information and ideas though any media and regardless of frontiers"**2** विश्र्व के सभी मानव को अभिव्यक्ती का अधिकार मानवाधिकार प्रदान करता हैं |उसके लिए वह किसी भी मिडिया का सहारा ले सकता है |क्या भारत वर्ष में मिडिया को यह स्वतंत्रता मिली है ऋ आज भी भारतवर्ष का संचार माध्यम इस अधिकार लढाई में जुजा हुआ है |जयपूर स्थित सम्मेलन में ह्यफरवरी **2012**ह् सलमान रश्दी नामक लेखक एवं

Please cite this Article as : डॉ . सुधीर भटकर प्रा . विनोद निताळे प्रा . गोपी सोरडे , जनसंचार माध्यमों के दृष्टीकोन से मानवाधिकार का महत्व : **Indian Streams Research Journal (Sept. ; 2012)**

विचारशील व्यक्ती को सम्मेलित नही होते आयौ | क्या यह मानवाधिकार का उल्लंघन नही ऋ भारतीय मिडिया स्वतंत्रता के संदर्भ में प्रख्यात पत्रकार कुलदीप नायर कहते हैं | "भारतीय मिडिया कितना स्वतंत्र है | वह अपने विचार रखने में कितना सक्षम है |भारत के उपराष्ट्रपती हमीद अन्सारी प्रधानमंत्री डॉ . मनमोहनसिंग और प्रेस कौन्सिल ऑफ इंडिया के प्रमुख न्या . मार्कंडेय काटजू इनके संवोधन के वाद यह प्रश्न निर्माण हुए हैं |"3 कुलदिप नायर अभिव्यक्ती स्वतंत्रता के विषय में विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं | भारतीय लोकतंत्र में आज भी मानवाधिकार का पतन हो रहा हैं | इस संदर्भ में उपराष्ट्रपती एवं प्रधानमंत्रीजी का संवोधन भी इस पतन को निर्देशीत करता हुआ नजर आता हैं | जहां आज भी मिडिया के संवाददाता पर हमले हो रहे है | वहा मानवाधिकार संचार माध्यम के ऑखोंसे कोसो दूर नजर आता हुआ दिखाई देता हैं | भारत वर्ष में विशेषतः महाराष्ट्र मं संचार माध्यमों के दृष्टीकोन से मानवाधिकार का महत्व उधोरेखीत करना ही इस शोधपत्रिका का मुल उद्देश है |

उद्दिष्ठ

1 . मानवाधिकार स्वरूप एवं रचना का अध्ययन करना .
2 . संचार माध्यम के दृष्टीकोन से मानवाधिकार का परिक्षण करना .
3 . महाराष्ट्र स्थित मिडिया की स्थिती का अध्ययन करना .
4 . संचार माध्यम के लिए मानवाधिकार का महात्व अध्ययन करना .

मानवाधिकार का स्वरूप एवं महत्व

मानवाधिकार इस शब्द का अर्थ है मनुष्य को स्वतंत्र समता न्याय बंधुता और आत्मसन्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करणे का अधिकारै | मानवाधिकार उन्ही पंच तत्वपर आधारीत हैं | इन पंचतत्वो का सही ओर न्याय पूर्ण पालन किया जाए इसलिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **10** सितम्वर **1948** को मानव अधिकारो की सार्वभौम घोषणा को स्वीकार किया थौ | सार्वभौम मानवीय अधिकारी की वाते **20** वी शताब्दी के पूर्वाध्द से सुरू हुई जीश समय विश्व महायुध्द से परेशान लोग वर्वादी के कगार पर पहुच चुके थें | नई अर्थव्यवस्था ने दो मंजर निर्माण किए थै |एक जीन के पास सवकुछ है और दुसरा जीसके पास कुछ नहौ | युध्द और अर्थव्यवस्था का वदला स्वरूप मानवी जीवन का मूल्य उजागर करणे में काफी हैं | विश्व में प्रतिवर्ष **1 . 5** करोड से अधिक वच्चे **5** वर्ष की उम्र प्राप्त करने से पहले काल से ग्रास वन जाते हैं | विश्व में प्रतिवर्ष **1 . 5** करोड से अधिक वच्चे **5** वर्ष की उम्र प्राप्त करने से पहले काल से ग्रास वन जाते हैं |आज भी दासता और मजदूर का जीवन व्यतीत करनेवाले लोगों की संख्या अधिक है | वालक और महिलाए इनके शोषण का प्रतिशत आज भी ज्यादा हैं | "ऐसे माहौल में कोई चिन्तन ऐसा होना चाहिए जो अन्धेरे को उजाले में परिवर्तित कर सकने की रूपरेपा दे सकै | वैसे तो प्रत्येक देश का मानव अधिकारों की प्राप्ति के संदर्भ में अपना अपना इतिहास रखा हैं | तथापि अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सन **1948** में संयुक्त राष्ट्रसंघ की साधारण सभा में मानवाधिकारो के सन्दर्भ में सार्वभौम घोषणा का दस्तावेज कुछ ऐसे शब्दो में पारित किया थौ |चुकिं मानव परिवार के सभी सदस्यों के जन्मजात गौरव और सन्मान तथा अविछिन्न अधिकार की स्विकृती विश्वशांती न्याय और स्वतंत्रता की वुनियाद है |चुकिं मानव अधिकारो के प्रति उपेक्षा और घृणा के फलस्वरूप ही ऐसे वर्वर कार्य हुए जिनसे मनुष्य की आत्मा पर अत्याचार किया गयौ |चूँकी एक ऐसी विश्व व्यवस्था की उस स्थापना को ह्यजिसमे लोगो को भाषण और धर्म की आजादी तथा भय और अभाव से मुक्ती मिलेगीह सर्वसाधारण के लिए सर्वोच्च आकांक्षा घोषीत किया गया है . . . "**4**

उपरोक्त पंक्तीया मानवाधिकार के स्वरूप को स्पष्ट करती है |मानवाधिकार इस संकल्पना का अर्थ अनेक अध्ययनकर्ताओं ने अलग अलग ढंग से निर्देशीत किए है | जीन में प्रसिध्द विचारवंत लॉस्की कहते हैं | "अधिकार मानव जीवन की वे परिस्थितीयॉ है जीनके विना आम तौर पर कोई व्यक्ती सर्वोत्तम रूप पाने की आशा नही कर सकता"**5** भारत में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम **1913** को भारत की संसद ने पारित किया है | इस अधिनियम की धारा **2** ह्यघह में मानवाधिकार शब्द की परिभाषा इस प्रकार दी गई हैं मानव अधिकारो का तात्पर्य संविधान द्वारा प्रत्याभूत अथवा अन्तराष्ट्रीय प्रसंविदाओ में सन्निहित व्यक्तिओ की प्राण स्वातंत्रता समानता एवं गरिमा से सम्वनिधत ऐसे अधिकारो से है जो भारत न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय है |मानवाधिकार के संदर्भ में प्रकाश मटाणी कहते है की 'मानवाधिकार से अभिप्राय उन अधिकारो से है जो मानव समाज के विकास के लिए मूलभूत है तथा वे मानव को इस आधारपर मिलने चाहिए कि वह मानव है | मानव के द्वारा जो नैतिक मौलिक एवं असकाम्य ह्यीनलएिनव्ल्एह अधिकार धारण किए जाते हैं | उन्हे मानवाधिकार कहा जा सकता हैं |"**6** जगन्नाथ मोहन्ती अपने मानवाधिकार शिक्षा का विश्व में विकास इस शोधपत्र में मानवाधिकार को परिभाषित करते हुए कहते हैं | "नोवल पुरस्कार के सन्मान से जीन्हे गौरांकित कीया गया वह श्री रेले कॅशीन जीन्होने विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र की रचना करने संदर्भ मे भी योगदान दिया हैं | उन्होने ही प्रस्तुत पंक्तीया मानवाधिकार के संदर्भ मे कहते है"The science of human rights is defines as a particular branch of the social science the object of which is to study the human relations in the light of human dignity while determining those eights and faculties which are necessary. As a whole for the full development of each human beings personality"**7** मानव के संपूर्ण विकास के लिए मानवाधिकार कैसे उपयुक्त है यह वह निर्देशीत करते हैं | मानवाधिकार की परिभाषा अधिक स्पष्ट करने के संदर्भ में किए गये अध्ययन कर्ताओं के विचारों से यह सूचीत होता है की संपूर्ण विश्व में मनुष्य सन्मानपूर्वक स्वतंत्र और पूरी तरह से प्रगत होने हेतू मानवाधिकार की उपयुक्तता हैं |

भारत वर्ष में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम **1923** लागू किया गयी जीसमे मानव अधिकार की जो परिभाषा दी गयी है | तदनुसार "भारतीय संविधानद्वारा गारंटीकृत तथा अन्तराष्ट्रीय प्रसंविदाओं में सम्मिलित एवं भारत में न्यायालयो द्वारा प्रवर्तनीय व्यक्तियो के जीवन स्वतंत्रता समानता एवं गरिमावाले अधिकार मानव अधिकार हैं |"**8**

जनसंचार माध्यम और मानवाधिकार

भारतीय संविधान में नागरिकों को आर्टिकल **19** ह्यअह अंतर्गत अभिव्यक्ती स्वतंत्रता का अधिकार दिया है |इसी अधिकार के तहत पूरे भारत में संचार माध्यम कार्य करते है | जीन में समाचारपत्र टि . व्ही . रेडिओ और सव इंटरनेट भी जुड गया है | भारतीय मिडिया को गौरवपूर्ण इतिहास हैं | इस मिडिया ने देशवासिओ के प्रती हर वक्त अपने कर्तव्य को कम नही होने दियौ | मानव अधिकारो को हर वक्त न्युज के माध्यम से संरक्षण देने का कार्य मिडियाने किया हैं | इस कार्य में कही दिक्कते भी आई लेकीन हर वार जनता की वकालत इसी मिडियाने की है | अन्य देशो की तुलना में भारत में मिडिया को वहुत स्वतंत्रता हैं |भारत निर्माण कार्य में मिडिया का योगदान नकारा नही जा सकता हैं | इस संदर्भ में प्रख्यात अर्थतज्ज्ञ डॉ . अमर्त्यसेन कहते है "मुक्त पत्रकारिता ही भारताच्या लोकशाहीची फारमोठी संपदा आहे . मुक्त पत्रकारिता हे फार मोठे यश म्हणावे लागेल . आपल्या लोकशाहीच्या लर्यपध्दतीशी मुक्त पत्रकारितेचा संवंध आहे . माहिती दडपल्याने हुकूमशाहीचा विकास होतो . अशा स्थितीत वृत्तपत्राचे किंवा मिडियाचे स्वातंत्र्य हे भारतीय लोकशाहीला कारण ठरले आहे . त्यामुळे कधी कधी युरोपात किंवा अमेरिकेत असतांना भारतीय पत्रकारितेच्या अनेक अंगाची प्रकर्षाने जाणीव होते . "**9** युरोप और अमेरिका में मिडिया को जो निर्वंध दिए गए इस कारणवश मुक्त पत्रकारिता का गल दवाया गया हैं |जहॉ मिडिया ही स्वतंत्र नही वहा आम जनता की पुकार कौन सुनेगा आम जनता के अधिकारो का हक्क रोकने के लिए उन मुद्दो को उजागर करना जरूरी होता हैं |जनता के प्रश्नो की उजागर करना और उन्हे सुलझाना मिडिया का प्रमुख दायीत्व है | मिडिया लोकतंत्र में ताकतवर संसाधन के रूप में कार्य करता हैं | जीसका असर ना केवल राज्यकर्ताओं पर होता है वल्की न्यायव्यवस्था और प्रशासन पर भी गहरा असर दिखाई देता हैं |मिडिया के परिणाम के संदर्भ मे हेमंत कुलकर्णी कहते है "दृकश्राव्य माध्यमाच्या अमर्याद

ताकदीमुळे एखाद्या अत्यंत मर्यादीत घटनेचे स्वरूपही विराट रूप धारण करू लागते व त्याचा प्रभाव देखील मग भूमितीय पध्दतीने वृध्दिंगत होऊलागला"10 टेलिव्हिजन मिडिया के परिणाम स्वरूप हेमंत कुलकर्णी बताते है कोई छोटी घटना को अगर टी . व्ही . मिडिया के माध्यम से दर्शाय जाये तो वह विराटरूप धारण करती हैं | परिणाम स्वरूप उसका प्रभाव भी मल्टीपल होता हैं | मिडिया के शक्तीशाली रूप को जानते हुए जी चौरसीया मानवाधिकार के प्रसार और रक्षण के संदर्भ में मिडिया की उपयुक्तता दर्शाते हुए कहते है "As a tool for the promotion and protection of human rights. a free mass media can healthy facilitate the building of culture of human rights, by reporting on the content of international human rights, by encouraging tolerance between various national ethic religious and lingustic groups and by exposing rights violtions wherever and whenever they occur ."11 मुक्त पत्रकरिता ही मानवाधिकार का रक्षण कर सकती हैं | इस बात को जी चौरसिया भी सहमत है |

जनता के रक्षण करने हेतू जनता की आवाज उजागर करने हेतू मास मिडिया दिनरात कार्य करता हैं | लेकिन मिडिया के अंदर काम करनेवाले पत्रकार सुरक्षित है ऋ मानवाधिकार क्या पत्रकारो को नही है | ऋ बिलकुल लेकीन पत्रकारो के मानवाधिकारो का रक्षण कौन करेगा | हाली में मुंबईस्थित जे . डी . नामक वरिष्ठ पत्रकार की हत्या की गयी | प्रेस कौन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मार्कंडेय इन्होने हालही में पत्रकारो की सुरक्षा हेतू कानून बनाने की मॉग की हैं | आए दिन पत्रकारो पर हमले होने की घटनाए अब नई नही हैं | मिडियाकर्मी सामान्य जनता के मानवाधिकार प्रती जागृक है लेकिन मिडियाकर्मी के प्रती शासन या पुलीस सतर्क नजर नही आती | मिडियाकर्मीओं पर हो रहे हमलो के संदर्भ में जी चौरसीया लिखते है "We must ask why we have failed in protecting journalist and broadcasters for persecution and attacks, what can we do to provide media professionals with the legal and actual Protection which they require and to which they are entitled under International human rights law?" 12 माध्यमकर्मीओ के लिए विशेष अधिकारोका चयन होने के मांग चौरसीया रखते हैं | लेकीन लोकतांत्रिक देश में क्या यह ठीक रहेगा |जहा जनता सर्वश्रेष्ठ है वहा जनता में से ही बने मिडिया कर्मीओ को विशेष अधिकार देना मतलब और एक सत्ताकेंद्र स्थापीत करना होगा | मिडियाकर्मीओं पर आए दिन हो रहे हमले ही एक प्रमुख मिडियाकर्मी संबंधी मानवाधिकार हनन का कारण नही है | इसी के साथ मिडिया में अवसतन से अधिक समय तक काम करना काम के अनुयोग मे बहुत ही कम पेमेंट मिलना तनखा के अलावा अन्य सेवाएं भी मालक वर्ग से मिडीयाकर्मीओ को अवसत रूप मे दियी जाती हैं | पत्रकारो को नही देते . परिणाम स्वरूप मुफ्त मे ही पत्रकारों से मिडिया में कार्य करवाने जैसा हैं | क्या यह मिडिया मालक का प्रत्यक्ष कार्य करनेवाले मिडीयाकर्मीओ का मानवाधिकार हनन नही है ऋ इस प्रकार कम तनखा मे ज्यादा काम और छुट्टीयां भी अवसतन देना यह भी पत्रकार मानवाधिकार का हनन ही हैं |

इसी से जुडी और एक बात मिडिया मे जीतने भी उच्च दर्जे के स्थान है वहा निर्धारीत वर्ग के ही लोग काम करते हुए नजर आते हैं | कही कही बात यह लागू ना हो अपेतू अधिकांश जगह संपादक मालक मॅनेजर इन स्थानोपर विशिष्ठ वर्ग का अधिपत्य नजर आता हैं | इस विषय मे अपने विचार रखते हुए रूपचन्द गौतम कहते है "मिडिया मे तो आज तक दलित एवं आदिवासी को अंदर नही आने दिया देश मे किसी समाचार पत्र चैनल का संपदक दलित एवं आदिवासी नही है | खैर इतनी बात भी हम छोड दे तो किसी दलित पत्रकार को किसी अखबार मे स्थायी कॉलम के लिए अनुबंधर्न पत्र नही दिया गया है |"13 जहां दलित एवं पिछडे जाती के वर्ग के लिए मिडिया मे स्थान नही क्या वहा दलित मानवाधिकार जीवीत हो सकता है ऋ नही इससे जुडे कई सवाल मानवाधिकार के संदर्भ मे दिखते हैं |

जनसंचार माध्यम मे कार्यरत पत्रकार संपादक जीन्हे हम मिडियाकर्मी कहते है | इनकके दृष्टीकोन से मानवाधिकार का विशेष महत्व हैं | मिडियाकर्मीओ को मानवाधिकार मिलने हेतू विशेष प्रयास करना जरूरी हैं | मिडियाकर्मीओ के कार्यपध्दती और वेतन संदर्भ में मालक स्वय्या बदलना जरूरी हैं | जातीय व्यवस्था जो मिडिया मे बसी है उसका भी निर्मूलन होना बहुत जरूरी हैं |मिडियाकर्मीओ को मानवाधिकार संदर्भ में विशेष रूप से शिक्षित करना भी उतना ही आवश्यक हैं |क्योंकी असल में मानवाधिकार क्या है यही अगर मिडियाकर्मी को पता नही तो अपने और पाठक के प्रती वह कैसे लढाई लढ पाएगे |

निष्कर्ष

1 . मिडियाकर्मीओं के मानवाधिकार का हनन हो रहा है |
2 . मिडियाकर्मीओ के मानवाधिकार हनन संदर्भ मे ना मिडियाकर्मी सजग है नाही मिडिया के प्रमुख मालक को इस बात का मलन है |
3 . मानवाधिकार संबंध में मिडियाकर्मीओ को शिक्षित करना जरूरी है |
4 . मिडिया क्षेत्र म दलित एवं आदिवासी लोगो को उच्चपदोसे दूर रखा जाता है |
5 . महाराष्ट्र ही नही बल्की पूरे भारत मे मिडियाकर्मीओ पर आतंकी और राजनैतिक हमले हो रहे है |

सुचनाएं

1 . मिडियाकर्मीओ के लिए मानवाधिकार संदर्भ में विशेष शिविरोंको आयोजन किया जाए .
2 . राष्ट्रिय मानवाधिकार आयोग तहत विशेष अधिकारो का चयन मिडियाकर्मीओ के प्रती किया जाए .
3 . मिडिया क्षे मे दलित एवं आदिवासी लोगो को समान न्याय दिया जाए .
4 . मिडियाकर्मीओ पर हो रहे आतंकी और राजनैतिक हमलो के संदर्भ में सरकार के कडे कदम उठाना जरूरी है |
5 . मिडियाकर्मीओ के कार्य करने का समय और वेतन संदर्भ मे मालको का स्वय्या बदलना जरूरी है |

संदर्भ सूची

1 . माथुर मीना प्रजातन्त्र प्रेस तथा प्रशासन एबीडी पब्लिशर्स जयपूर 1999 पृ . क . 01 .
2 . Article-19 Universal Declaration of human Rights, 217 A (III) of 10 Dec . 1948 .
3 . नायर कुलदिप विचार मांडण्याचा हक्क शब्दांच्या पलीकडे दै . लोकमत 11 फेबुवारी 2012 पृ . क . 6 .
4 . मिश्रा दामोदर डॉ . अखिल शुल्क मानवाधिकार दशा और दिशा पोइन्टर पब्लिशर्स जयपूर पृ . क . 2 .
5 . नाराणी प्रकाशन नारायण मानवाधिकार और कर्तव्य आविष्कार पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्युटर्स जयपूर 2007 पृ . क . 01 .
6 . नाराणी प्रकाश नारायण . . . . कित्ता पृ . क . 02 .
7 . मोहन्ती जगन्नाथ ह्युमन राईट एज्युकेशन दीप ॲन्ड दीप प्रकाशन न्यु दिल्ली पृष्ठ क . 17 .
8 . मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 प्रारंभिक परिभाषाएं .
9 . डॉ . सेन अमर्त्य भारतीय मीडियाचे गुर्ण दोष दै . लोकमत जळगाव आवृत्ती दि . 13 जाने 2012 . पृ . क . 3 .

Publish Research Article

International Level Multidisciplinary Research Journal

For All Subjects

Dear Sir/Madam,

We invite original unpublished research paper. Summary of Research Projetc, Theses, Books and Books Review of publication, You will be pleased to know that our journals are..

Associated and Indexed, India

- OPEN J-GATE
- International Scientific Journal Consortium Scientific

Associated and Indexed, USA

- Google Scholar
- DOAJ
- EBSCO
- Index Copernicus
- Academic Journal Database
- Publication Index
- Scientific Resources Database
- Recent Science Index
- Scholar Journals Index
- Directory of Academic Resources
- Elite Scientific Journal Archive
- Current Index to Scholarly Journals
- Digital Journals Database
- Academic Paper Database
- Contemporary Research Index

Indian Streams Research Journal
258/34, Raviwar Peth Solapur-413005, Maharashtra
Contact:- 9595359435
E-Mail- ayisrj@yahoo.in / ayisrj2011@gmail.com
Website:- www.isrj.net